Project- D.N.A

Date: / /
Page No.

Object → D.N.A. का मॉडल तैयार करना।

पूर्व अपेक्षित जानकारी (Pre requisite knowledge).

D.N.A. की खोज सर्वप्रथम फ्रेड्रिक मीश-चर ने की। यह केन्द्रक में पाया जाता है। इसका निर्माण डिऑक्सीराइबोस शर्करा, फॉस्फेट तथा नाइट्रोजन बेस (एडिनीन, ग्वानीन, साइटोसीन तथा थायमीन) से होता है। जे० डी० वाटसन और H.F.C Crick ने D.N.A की रचना का एक मॉडल प्रस्तुत किया जिसे उनके नाम पर वाटसन और क्रिक मॉडल कहते हैं। इसके लिये वाटसन और क्रिक को 1962 ई० में नोबेल पुरस्कार मिला। D.N.A की संरचना द्विकुण्डलित होती है। इस D.NA की श्रृंखलाओं का निर्माण फॉस्फेट (P) तथा शर्करा (S) के अवैक अणुओं के मिलने से होता है। D.N.A की दोनों श्रृंखलायें एक-दूसरे से हाइड्रोजन बन्ध द्वारा जुड़ी होती है। ये बन्ध बेस के जोड़ों के बीच में पाये जाते हैं। एडीनीन तथा थायमीन बेस के बीच में सदैव दो हाइड्रोजन बन्ध (A=T) इसी प्रकार ग्वानीन तथा साइटोसीन (G≡C) के बीच में तीन बन्ध पाया जाता है। D.N.A का कार्य आनुवंशिक लक्षणों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाना है।

Project - परावर्तनी भट्टी
(Reverberatory Furnace)

Page No.

Object → परावर्तनी भट्टी का मॉडल तैयार करना।

पूर्व अपेक्षित जानकारी (Prerequisite knowledge)

यह भट्टी आग्निसह ईंटों की बनी होती है। इसमें गर्म किये जाने वाला अयस्क सीधे ज्वाला के सम्पर्क में नहीं आता है। भट्टी में ईंधन अलग अंगीठी में जलाया जाता है। परावर्तनी भट्टी निस्तापन तथा भर्जन क्रियाओं के लिये उपयोगी है। इसमें ऑक्सीकरण तथा अपचयन दोनों प्रकार की क्रियायें करायी जाती है। कॉपर, लेड, टिन, आदि धातुओं के निष्कर्षण में इस भट्टी का उपयोग किया जाता है।